शिखर 7

इकाई 1: जीवन और जगत

पाठ 1. नव वसंत

कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता का उद्देश्य बच्चों को वसंत ऋतु के दौरान प्रकृति में होने वाले परिवर्तनों के बारे में जानकारी देना तथा प्रकृति से निरंतर सीखते रहने की शिक्षा देना है। प्रकृति हमें जीवन पथ पर निरंतर आगे बढ़ने तथा मुश्किलों के सामने घुटने न टेकने का संदेश देती है।

कविता का सारांश

प्रस्तुत कविता में वसंत ऋतु के आगमन का मनोहारी चित्रण किया गया है। कवि कह रहे हैं कि वसंत के आगमन के साथ ही प्रकृति का कण-कण उमंग से भर गया है। डालियों पर नए-नए फूल आ गए, कोयल की मनमोहक गूँज से चारों दिशाएँ गूँज उठीं। खेतों में पीली-पीली सरसों और तीसी लहरा उठे। फूलों की क्यारी गुलाब और गेंदों से महक उठी। तालाब-नदी खुशी से झूम उठे और इसमें सुंदर-सुंदर कमल खिल गए हैं। फूलों पर भौंरे गुनगुनाने लगे तो पेड़-पौधों की कलियाँ खुशबू से महक उठीं। इस ऋतु में प्रकृति की छटा निराली लगती है और चारों ओर खुशहाली छा जाती है। इसी समय वसंत पंचमी भी मनाई जाती है और बच्चे इस उत्सव को हँसते-खेलते मनाते हैं। बहती नदी बच्चों को संदेश देती है कि अपने पथ पर निरंतर आगे बढ़ते जाओ। तुम सब इस देश के वीर सिपाही हो और फूलों से सजे इस देश की रक्षा का भार तुम पर है। आओ सभी मिलकर यह प्रण करो कि देश का सिर कभी न झुकने पाए।

अध्यापन संकेत

कविता वाचन से पहले **पठन-पूर्व चर्चा** में पूछे गए प्रश्नों पर बच्चों से बातचीत करें। उसके पश्चात् कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से कविता के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। उन्हें कविता का मूल भाव समझाएँ। कविता की पंक्तियों में छिपे भाव स्पष्ट करें।

नए-नए फूलों में सजकर ----- मोहक गीत सुनाया। – इन पंक्तियों का अर्थ है कि प्रकृति में वसंत ऋतु का आवागमन हुआ है। नए-नए फूलों में सजकर अर्थात् नए-नए फूलों के साथ वसंत का हँसते-मुसकराते आगमन हुआ है। कोयल अपने मीठे-मीठे सुर में प्रकृति को मोहक गीत सुना रही है। प्रकृति की छटा देखते ही बनती है और प्रकृति शोभायमान लग रही है।

नदी तेज़ जाती ----- भारत के वीर सिपाही। – इन पंक्तियों का अर्थ है कि तेज़ बहती नदी देश के बच्चों को यह संदेश दे रही है कि तुम सब इस देश के वीर सिपाही हो। जीवन पथ में कभी रुकना नहीं और मुश्किलों के सामने कभी सिर झुकाना नहीं। हमेशा अपने जीवन में आगे ही बढ़ते रहना। आत्मविश्वास और धैर्य के साथ आगे बढ़ने से जीवन की कठिनाइयाँ दूर हो जाती हैं।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- वसंत को ऋतुओं का राजा क्यों कहा जाता है?
- जीवन में अपने लक्ष्य को कैसे प्राप्त किया जा सकता है?
- प्रकृति से हमें क्या-क्या सीख मिलती है?
- देश के प्रति हम सबका क्या कर्तव्य है?
- प्राकृतिक सौंदर्य बनाए रखने में हम क्या योगदान दे सकते हैं?

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।